मनुष्य से देवता बनना तो पढ़ना और पढ़ाना
शान्तिधाम और सुख धाम का रास्ता भी बताना
सत्तोप्रधान पुरुषार्थी बनना तो ज्ञान दान करना
औरों को आप समान बनाने की सेवा करना
ज्ञान धन से झोली भर सबकों दान देना
ईश्वर अर्थ दान-पुण्य कर
बेहद के बाप से सुख का वर्सा लेना
नम्रता,मधुरता,महानता और सत्यता के बोल
और स्नेह से बाप की प्रत्क्षयता कर कमाल
करना
साधनों पर निर्भर नही रहना
निर्विघ्न साधना करते रहना

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!